नहीं मिलता लंबा ब्रेक

'छूना है आसमान' के प्रमोशन के लिए आए इकबाल खान और जाह्नवी छेड़ा से बातचीत

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

हवा में रोमांचकारी करतब, कलाबाजी व देशभक्ति का नया नाम है 'छूना है आसमान'। स्टार वन पर सोमवार से गुरुवार तक प्रसारित होने वाले इस धारावाहिक के प्रमोशन के सिलसिले में दो मुख्य किरदार इकबाल खान व जाह्नवी छेड़ा गुरुवार को इंदौर आए। सिटी भास्कर से उनकी खास बातचीत-

नहीं होगी प्लास्टिक सर्जरी

इकबाल खान

सास-बहू की तरह इस सीरियल में पांच बार शादी नहीं होगी, न किसी चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी होगी। एक साल के अंतराल के बाद मैं कुछ अच्छा करना चाहता था इसलिए मैंने इस धारावाहिक से वापसी की। धारावाहिक 'कर्म अपना-अपना' में मैंने किरदार की शुरुआत की थी लेकिन मेरी शादी के कारण मुझे लंबा ब्रेक लेना पड़ा और डेली सोप में इतना लंबा ब्रेक नहीं मिलता। यह कहना है इकबाल खान का। वे कहते हैं मुझे वह सीरियल छोड़ना पड़ा। हर सीरियल में कैरेक्टर बदलने के कुछ यही कारण होते हैं। 'छूना है आसमान' में मैं सुखोई-30 प्लेन के साथ शूट कर रहा था, वह मेरे लिए काफी एडवेंचरस था। इस सीरियल के लिए हमने फिजिकल ट्रेनिंग भी ली। एअरफोर्स के ऑफिसर्स से बॉडी लैंग्वेज , टेक्निकल पार्ट समझे। यह शो एअरफोर्स पर बेस नहीं है। इसमें आम इंसान की कहानी दिखाई गई है। यह इमोशन की कहानी है जो वहां के लोगों की जिंदगी पर फोकस है। मैंने सुना है इंदौर के पोहा-जलेबी बहुत फेमस हैं। यहां आकर पोहा-जलेबी न खाएं, ऐसा हो ही नहीं सकता।

जिंदगी में अनुशासन बढ़ा

जोधपुर एअरबेस में सुखोई-30 प्लेन में हमें बैठने के लिए बहुत छोटी जगह मिलती थी। पुल टू जेक चेन के जरा से धक्के से प्लेन उड़ने लगता था इसलिए काफी सावधानी रखना पड़ती थी। शूटिंग के दौरान प्लेन में कई बार हवा नहीं लगती थी और हम पसीने-पसीने हो जाते थे।

जाह्नवी छेड़ा

जाह्नवी छेड़ा कहती हैं फ्लाइट लेफ्टिनेंट का रोल काफी चैलेंजिंग था। यहां दो महीने हमने मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली। यहां आकर इस बात का काफी दुःख हुआ कि इंडियन एअरफोर्स में फीमेल फाइटर पायलट न के बराबर हैं। इस सीरियल से हम फीमेल्स को एअरफोर्स में जॉब अपार्च्युनिटीज के लिए कन्वेंस कर सकेंगे। इस धारावाहिक के बाद से मेरी जिंदगी में अनुशासन बढ़ गया है। मैंने गुजराती, उर्दू भाषा में थिएटर से अपने करियर की शुरुआत की थी। आशा पारिख के गुजराती धारावाहिक में काम करने के साथ डीडी में नेगेटिव रोल भी किए हैं लेकिन अभी मैं सिर्फ 'छूना है आसमान' पर ही कॉन्सन्ट्रेट कर रही हूं। यहां तक आने में मेरे पेरेंट्स का काफी सपोर्ट रहा।